पाठ- 13

एक तिनका (कविता)

अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

शब्दावली

शब्द	अर्थ	विलोम	समानार्थी
घमंड	अभिमान	सरल, विनम्र	अहंकार, दर्प, आपा
झिझक	संकोच	बेझिझक	हिचकिचाहट
बेचैन	चैन न मिलना व्याकुलता	शांत	आकुल, व्याकुल
ढब	ढंग	बेढंग	तरीका
समझ	अक्ल	नासमझ	बुद्धि

वाक्य प्रयोग

घमंड – हमें कभी घमंड नहीं करना चाहिए।

झिझक – हमें पढ़ते समय झिझक नहीं करना चाहिए।

बेचैन – मुझे घर देर से पहुंचने पर मेरी मां बेचैन हो जाती है।

ढब – पानी में मेंढक ढब से कूद गया।

समझ – प्रत्येक व्यक्ति की अपनी-अपनी समझ होती है।

PAGE NO.:
DATE:

कविता का भावार्थ 'एक तिनका'

कवि अहंकार के परिणाम को दर्शाते हुए कहता कि एक दिन जब मैं घमंड में चूर होकर जब मैं छत की मुंडेर पर खड़ा था तब अचानक एक घास का नुकीला तिनका उड़कर मेरी आँख में चुभ गया और मैं दर्द से बेहाल हो गया. आँख लाल पड़ गई। मेरे आस-पास के लोग कपड़े की मूठ बनाकर मेरी आँख सेंकने लगे तब ही अचानक से वो तिनका मेरी आँख से बाहर निकल गया। तब जाकर मुझे समझ आया कि मैं जिन्दगी भर घमंड में चूर रहा किन्तु एक तिनके ने मेरा सारा घमंड-चूर-चूर कर दिया तथा उन लोगों ने ही मेरी सहायता की जिनसे मैं कभी बात तक नहीं करता था।